Swachh Bharat Mission, Dungarpur Model and Rajasthan's Cleanliness Initiatives

The Prime Minister Narendra Modi has turned the Swachh Bharat Mission into a people's movement by ensuring that the message that cleanliness will not be the issue of sanitation workers, but a responsibility of all citizens.Chief Minister Bhajanlal Sharma said that the Prime Minister Narendra Modi has made the Swachh Bharat Mission a people's movement by giving the message that cleanliness is not the job of sanitation workers, rather it is a responsibility of everyone. The Chief Minister, while delivering the civic felicitation and cleanliness message programme at Dungarpur, associated the program with the dream of Mahatma Gandhi of clean and healthy India. He stated that Dungarpur has imbued new vigor to the cleanliness campaign and now public participation is a way of celebrating sanitation festival in the town. The state government is striving to make Rajasthan a clean and healthy state and environment friendly.

The key highlights of the Programme are:

- In Dungarpur, Chief Minister spoke on the civic felicitation and cleanliness message programme.
- He stated that hygiene has now turned into a system and a social value.
- Dungarpur was recognised for its cleanliness as a community effort.

- The Dungarpur Model is being discussed a lot these days," the Chief Minister said.
- The government of Rajasthan is striving for the state to be one of the cleanest and most developed in terms of civic amenities.
- Both Dungarpur and Banswara will be built as a tourist destination.

The Chief Minister also unveiled the Swachh Rajasthan poster.

Rajasthan's Waste Management and Cleanliness drives are important:-

Improving solid waste management

- Rajasthan's government is enhancing solid waste management in the state.
- Urbanization, with the development of modern waste processing systems.
- The door to door waste collection is becoming more efficient.
- Special campaigns are being organised to make Rajasthan plastic free.
- Urban local bodies are making linkage with technology based system for better sanitation.

The works under Swachh Bharat Mission are progressing well and have yielded the following results:

- Around 3 lakh individual toilets have been built under the Swachh Bharat Mission (Gramin).
- Over 5,000 community toilets have been built.
- Over 41,000 ODF Plus Model Villages have been built.
- The Gobardhan Project has set up bio-gas plants in 21 districts.
- In the context of the Swachh Bharat Mission (Urban) 2.0, solid waste processing plants (SWP) work orders valued at ₹454 crore have been issued in 168 urban local bodies.

Women-Friendly and Mechanised Sanitation Measures

- As of now, 348 pink toilets have been built in Rajasthan.
- I have ordered the building of 356 additional pink toilets to be constructed.
- Ten Urban Local Bodies have received 28 mechanical road sweeper machines.
- Seva Pakhwada: 5,845 medical institutions participated in cleanliness camps.

Significance for RAS Exam

- News is significant for topics in the field of governance, urban development, rural sanitation, public health and environment.
- It demonstrates the implementation of Swachh Bharat Mission with the involvement of public and local governance.

RASonly

- The Dungarpur Model could be used as an example of community-based cleanliness management.
- The relationship between cleanliness, tourist, investment and quality of life is significant for administrative answers.
- The project symbolises the importance of technology, waste processing and citizens' awareness in urban governance.

Conclusion

The Dungarpur Model demonstrates that the movement for cleanliness can be made a successful campaign and engage citizens, local bodies and government if all work together. Rajasthan's initiatives on toilets, waste processing, plastic free campaigns, pink toilets, mechanised sanitation reveal a holistic perspective involving cleanliness with health, tourism, investment and improved quality of life.

MCQs

- The Chief Minister has highlighted the effort to give a new identity to the cleanliness movement in which of the following district?

(a) Banswara

(b) Dungarpur

(c) Jaipur

(d) Udaipur

Answer: (b)

Explanation : Chief Minister Bhajanlal Sharma put Dungarpur under the spotlight for giving a new identity to the cleanliness movement. He said that the Dungarpur Model is being discussed extensively due to cleanliness being a festival of public participation in Dungarpur.

- How much is the total amount of work orders issued for solid waste processing plants in Rajasthan under Swachh Bharat Mission (Urban) 2.0?

(a) ₹348 crore

(b) ₹356 crore

(c) ₹454 crore

(d) ₹5845 crore

Answer: (c)

RASonly

Explanation: In the state of Rajasthan, under the Swachh Bharat Mission (Urban) 2.0, work orders worth of ₹454 crore are issued for setting up solid waste processing plants in 168 urban local bodies of the state.

- Which of the following is true about the cleanliness campaigns in news about Rajasthan?

(a) 28 mechanical road sweeper machines have been provided to 10 urban local bodies.

(b) There are already 356 pink toilets built and 348 are on work order.

(c) Bio-gas plants have been set up in all the districts of Rajasthan.

(d)Only in urban local bodies was the cleaning campaign organised

Answer: (a)

Explanation: 28 mechanical road sweeper machines has been provided to 10 urban local bodies as mentioned in the news. It also reveals that 348 pink toilets have been built, 356 more need to be built, 21 bio-gas plants have been set up and cleanliness camps were conducted at 5,845 medical institutions.

स्वच्छ भारत अभियान, डूंगरपुर आदर्श और राजस्थान की स्वच्छता पहल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाया है। उन्होंने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह सभी नागरिकों का सामूहिक दायित्व है। डूंगरपुर में नागरिक अभिनंदन और स्वच्छता संदेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस अभियान को महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वस्थ भारत के सपने से जोड़ा। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर ने स्वच्छता आंदोलन को नई पहचान दी है और स्वच्छता को जनसहभागिता का उत्सव बनाया है। राज्य सरकार राजस्थान को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल राज्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें

• मुख्यमंत्री ने डूंगरपुर में नागरिक अभिनंदन और स्वच्छता संदेश कार्यक्रम को संबोधित किया।

• उन्होंने कहा कि स्वच्छता अब व्यवस्था के साथ-साथ संस्कार का विषय बन चुकी है।

• डूंगरपुर को जनसहभागिता आधारित स्वच्छता के लिए सराहा गया।

• मुख्यमंत्री ने कहा कि डूंगरपुर आदर्श की चर्चा व्यापक रूप से हो रही है।

• राज्य सरकार का लक्ष्य राजस्थान को स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है।

• डूंगरपुर और बांसवाड़ा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

RASonly

• मुख्यमंत्री ने स्वच्छ राजस्थान पोस्टर का विमोचन भी किया।

राजस्थान की स्वच्छता और कचरा प्रबंधन पहल

ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत करना

• राज्य सरकार राजस्थान में ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत कर रही है।

• शहरों में आधुनिक कचरा प्रसंस्करण प्रणालियां विकसित की जा रही हैं।

• घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा रहा है।

• प्लास्टिक मुक्त राजस्थान के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

• नगर निकायों को तकनीक आधारित व्यवस्थाओं से जोड़कर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है।

स्वच्छ भारत अभियान की उपलब्धियां

• स्वच्छ भारत अभियान ग्रामीण के अंतर्गत लगभग 3 लाख व्यक्तिगत शौचालय बनाए गए हैं।

• 5,000 से अधिक सामुदायिक शौचालय बनाए गए हैं।

• 41,000 से अधिक खुले में शौच से मुक्त प्लस आदर्श ग्राम विकसित किए गए हैं।

• गोबरधन परियोजना के अंतर्गत 21 जिलों में बायोगैस संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

• स्वच्छ भारत अभियान शहरी 2.0 के अंतर्गत 168 नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए ₹454 करोड़ के कार्यादेश जारी किए गए हैं।

महिला-अनुकूल और यंत्रीकृत स्वच्छता उपाय

• राजस्थान में 348 गुलाबी शौचालयों का निर्माण हो चुका है।

• 356 और गुलाबी शौचालयों के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी किए गए हैं।

• 10 नगरीय निकायों को 28 यांत्रिक सड़क सफाई मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं।

• सेवा पखवाड़ा के दौरान 5,845 चिकित्सा संस्थानों पर स्वच्छता शिविर आयोजित किए गए।

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह समाचार शासन, शहरी विकास, ग्रामीण स्वच्छता, लोक स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े विषयों के लिए महत्वपूर्ण है।

• यह दिखाता है कि स्वच्छ भारत अभियान को जनभागीदारी और स्थानीय शासन के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

• डूंगरपुर आदर्श को समुदाय आधारित स्वच्छता प्रबंधन के उदाहरण के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

• स्वच्छता, पर्यटन, निवेश और जीवन स्तर के बीच संबंध प्रशासनिक उत्तरों के लिए महत्वपूर्ण है।

RASonly

• यह पहल शहरी शासन में तकनीक, कचरा प्रसंस्करण और नागरिक जागरूकता की भूमिका को दर्शाती है।

निष्कर्ष

डूंगरपुर आदर्श यह बताता है कि जब नागरिक, स्थानीय निकाय और सरकार मिलकर काम करते हैं, तो स्वच्छता एक सफल जन-आंदोलन बन सकती है। राजस्थान में शौचालय निर्माण, कचरा प्रसंस्करण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, गुलाबी शौचालय और यंत्रीकृत स्वच्छता उपाय यह दिखाते हैं कि राज्य स्वच्छता को स्वास्थ्य, पर्यटन, निवेश और बेहतर जीवन स्तर से जोड़कर आगे बढ़ा रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मुख्यमंत्री ने किस जिले को स्वच्छता आंदोलन को नई पहचान देने के लिए विशेष रूप से रेखांकित किया?

(a) बांसवाड़ा
(b) डूंगरपुर
(c) जयपुर
(d) उदयपुर

उत्तर: (b)

व्याख्या: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर को स्वच्छता आंदोलन को नई पहचान देने के लिए रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर ने स्वच्छता को जनसहभागिता का उत्सव बनाया है, जिसके कारण डूंगरपुर आदर्श की व्यापक चर्चा हो रही है।

2. स्वच्छ भारत अभियान शहरी 2.0 के अंतर्गत राजस्थान में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों के लिए कितनी राशि के कार्यादेश जारी किए गए हैं?

(a) ₹348 करोड़
(b) ₹356 करोड़
(c) ₹454 करोड़
(d) ₹5,845 करोड़

उत्तर: (c)

व्याख्या: स्वच्छ भारत अभियान शहरी 2.0 के अंतर्गत राजस्थान के 168 नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए ₹454 करोड़ के कार्यादेश जारी किए गए हैं।

3. राजस्थान की स्वच्छता पहलों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) 10 नगरीय निकायों को 28 यांत्रिक सड़क सफाई मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं।
(b) 356 गुलाबी शौचालय बन चुके हैं और 348 के लिए कार्यादेश जारी हुए हैं।
(c) राजस्थान के सभी जिलों में बायोगैस संयंत्र स्थापित किए गए हैं।
(d) स्वच्छता शिविर केवल नगरीय निकायों में आयोजित किए गए।

उत्तर: (a)

RASonly

व्याख्या: समाचार के अनुसार 10 नगरीय निकायों को 28 यांत्रिक सड़क सफाई मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। इसके साथ ही 348 गुलाबी शौचालय बन चुके हैं, 356 और गुलाबी शौचालयों के लिए कार्यादेश जारी हुए हैं, 21 जिलों में बायोगैस संयंत्र स्थापित किए गए हैं और 5,845 चिकित्सा संस्थानों पर स्वच्छता शिविर आयोजित किए गए।

FAO Agricola Medal Recognises India's Agricultural Transformation and Food Security Model

The FAO's highest award "Agricola Medal" given to Prime Minister Narendra Modi is an honour for the crores of Indian farmers, said Parliamentary Affairs Minister Jogaram Patel. The Food and Agriculture Organisation of the United Nations, in its headquarters in Rome, Italy, recognised the Prime Minister for his leadership in revolutionising the Indian agriculture sector and his contribution to food security in the history of the world. The recognition underlines the robustness of India's agricultural policies, food security and tackling poverty and malnutrition for all. It also

demonstrates India's resolve for farmer-centric governance, farmer income support, farmer food distribution and promotion of regenerative/natural farming to achieve the Sustainable Development Goals.

Key Highlights of the Recognition

- The highest honour given by FAO was the Agricola Medal to Prime Minister Narendra Modi.
- The award ceremony took place in the venerable Plenary Hall of the FAO headquarters in Rome, Italy.
- The honour was bestowed by FAO Director-General Qu Dongyu.
- The award celebrates India's efforts towards ending hunger, eradicating poverty and making food secure and nutritious.
- Parliamentary Affairs Minister Jogaram Patel termed it as a privilege for India's farmers.

The award is a recognition of the appreciation of Indian policies and food security programmes throughout the world.

India’s Contribution to Food Security

Prime Minister Garib Kalyan Anna Yojana

- The food and social security programme called 'Garib Kalyan Anna Yojana' by the Prime Minister was seen as one of the largest food and social security programmes in the world.
- Under the scheme, food security support was provided to almost 80 crore people on a continuous basis during the Covid-19 pandemic.
- The programme took on a critical role as an example of mass scale welfare delivery in a time of global crisis.

PM-Kisan Samman Nidhi

The government has provided direct support to farmers through PM-Kisan Samman Nidhi scheme—more than 11 crore farmers received support.

The program increased farmers' financial inclusion.

The direct benefit model contributes to the security of farmers' income and livelihoods.

Agricultural Reforms and Global Model

Farmer-Centric Agricultural Policy

- India was acknowledged for its efforts towards higher agricultural productivity by FAO.

RASonly

- India's policies have helped bring the living standard and livelihood of crores of farmers to a better level.
- India's contribution to the world of development has been enhanced by the emphasis on food security, nutrition and poverty alleviation.

Natural and Regenerative Farming

- India's initiatives towards promoting regenerative farming and natural farming were termed as a model for the world.
- These methods promote sustainable farming practices and soil and environmental health.
- They are also in line with India's overall sustainable development goals.
- India is set to assume the G20 presidency in 2022.In 2022, India will take over the G20 Presidency.
- Agri-food systems and rural development have made a strong presence in the global agenda during India's G20 Presidency.
- Large-scale and positive initiatives, such as India's flagship initiatives were globally appreciated.
- This recognition highlights India's evolving role as a leader in global agricultural governance and food security.

Significance for RAS Exam

- Importance of the news to agriculture, food security, welfare schemes, international organisations and governance.
- FAO is associated with food security, nutrition and sustainable agriculture in the world.

An example of large-scale food security delivery is PM-GKAY.

- The example of PM-Kisan can be taken where direct income support and financial inclusion is provided.
- India's G20 Presidency is associated with the theme of rural development and agri-food systems.
- The global recognition of India's policy framework which puts the farmers first is reflected in the Agricola Medal.

Conclusion

The FAO Agricola Medal is given to Prime Minister Narendra Modi for India's emerging position in agriculture, food security and rural development in the world. In India, the delivery of welfare has been shown through programmes like PM-GKAY and PM-Kisan which have proven their capability to reach a large number of people at scale. The recognition serves to reinforce India's position as a global model for a

RASonly

sustainable agriculture and for farmer welfare and inclusive food security governance.

MCQs

- Whose name is given to the Agricola Medal, which was given to Prime Minister Narendra Modi?

(a) World Trade Organization

(b) Food and Agriculture Organization

(c) World Bank

(d) International Monetary Fund

Answer: (b)

Explanation : The United Nations Food and Agriculture Organization (FAO) awarded Prime Minister Narendra Modi the Agricola Medal. It was presented to India for its role in agricultural transformation and food security at the FAO headquarters in Rome, Italy by Director-General Qu Dongyu.

- About how many individuals were provided continuous food security assistance under PM Garib Kalyan Anna Yojana during the Covid-19 pandemic?

(a) 11 crore

(b) 21 crore

(c) 80 crore

(d) 168 crore

Answer: (c)

Explanation : According to the news, almost 80 crore of people are being continuously supported under the Prime Minister Garib Kalyan Anna Yojana after the Covid-19 pandemic. This was one of the world's largest food and social security schemes which was appreciated worldwide.

3. Which of the following statements is correct regarding the recognition discussed in the news?

(a) The Agricola Medal was awarded for India’s contribution to space technology.
(b) PM-Kisan Samman Nidhi provided direct income support to more than 11 crore farmers.
(c) The award ceremony was held in New Delhi.
(d) India’s G20 Presidency excluded agri-food systems from the global agenda.

Answer: (b)

RASonly

Explanation: PM-Kisan Samman Nidhi provided direct income support to more than 11 crore farmers. The news links this initiative with financial inclusion and farmer welfare. The Agricola Medal was related to agriculture and food security, the ceremony was held in Rome, and India included agri-food systems and rural development in the G20 agenda.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खाद्य एवं कृषि संगठन का एग्रीकोला पदक और भारत की कृषि नीतियों को वैश्विक मान्यता

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खाद्य एवं कृषि संगठन का सर्वोच्च सम्मान एग्रीकोला पदक मिलना करोड़ों भारतीय किसानों का सम्मान है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने रोम, इटली स्थित अपने मुख्यालय में प्रधानमंत्री को भारत के कृषि परिदृश्य में परिवर्तन लाने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में ऐतिहासिक योगदान देने के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान भारत की सुदृढ़ कृषि नीतियों, खाद्य सुरक्षा, गरीबी कम करने और सभी के लिए पोषण सुनिश्चित करने की दिशा में किए गए प्रयासों को रेखांकित करता है। यह किसान-केंद्रित शासन, प्रत्यक्ष आय सहायता, खाद्य वितरण तथा पुनर्योजी और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के भारत के संकल्प को भी दर्शाता है।

सम्मान की प्रमुख बातें

• प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खाद्य एवं कृषि संगठन के सर्वोच्च सम्मान एग्रीकोला पदक से सम्मानित किया गया।

• सम्मान समारोह रोम, इटली स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन मुख्यालय के ऐतिहासिक पूर्ण अधिवेशन कक्ष में आयोजित हुआ।

• यह सम्मान खाद्य एवं कृषि संगठन के महानिदेशक क्यू डोंगयु द्वारा प्रदान किया गया।

• यह पुरस्कार भुखमरी समाप्त करने, गरीबी कम करने और खाद्य सुरक्षा व पोषण सुनिश्चित करने में भारत के योगदान को मान्यता देता है।

• संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इसे भारत के किसानों का सम्मान बताया।

• यह सम्मान भारत की कृषि नीतियों और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों की वैश्विक सराहना को दर्शाता है।

खाद्य सुरक्षा में भारत का योगदान

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

• प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को विश्व के सबसे बड़े खाद्य और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक के रूप में सराहा गया।

• कोविड-19 महामारी के बाद इस योजना के अंतर्गत लगभग 80 करोड़ लोगों को निरंतर खाद्य सुरक्षा सहायता दी गई।

RASonly

• यह कार्यक्रम वैश्विक संकट के समय बड़े स्तर पर कल्याणकारी वितरण का महत्वपूर्ण उदाहरण बना।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

• प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता दी गई।

• इस पहल ने किसानों के वित्तीय समावेशन को मजबूत किया।

• प्रत्यक्ष लाभ प्रणाली ने किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा को सहयोग दिया।

कृषि सुधार और वैश्विक आदर्श

किसान-केंद्रित कृषि नीति

• खाद्य एवं कृषि संगठन ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने के भारत के प्रयासों को मान्यता दी।

• भारत की नीतियों ने करोड़ों किसानों के जीवन स्तर और आजीविका में सुधार किया है।

• खाद्य सुरक्षा, पोषण और गरीबी उन्मूलन पर ध्यान देने से वैश्विक विकास में भारत की भूमिका मजबूत हुई है।

प्राकृतिक और पुनर्योजी खेती

• प्राकृतिक खेती और पुनर्योजी खेती को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों को विश्व के लिए आदर्श बताया गया।

• ये पद्धतियां टिकाऊ कृषि, मिट्टी के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं।

• ये भारत की व्यापक सतत विकास प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

समूह-20 अध्यक्षता के दौरान भारत की भूमिका

• भारत की समूह-20 अध्यक्षता के दौरान कृषि-खाद्य प्रणालियों और ग्रामीण विकास को वैश्विक कार्यसूची में प्रमुखता से शामिल किया गया।

• भारत की प्रमुख पहलों के व्यापक स्तर और सकारात्मक प्रभाव की विश्व स्तर पर सराहना हुई।

• यह सम्मान वैश्विक कृषि शासन और खाद्य सुरक्षा में भारत की बढ़ती नेतृत्वकारी भूमिका को दर्शाता है।

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह समाचार कृषि, खाद्य सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाओं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और शासन से जुड़े विषयों के लिए महत्वपूर्ण है।

• खाद्य एवं कृषि संगठन को वैश्विक खाद्य सुरक्षा, पोषण और टिकाऊ कृषि से जोड़ा जा सकता है।

• प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना बड़े स्तर पर खाद्य सुरक्षा वितरण का उदाहरण है।

• प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रत्यक्ष आय सहायता और वित्तीय समावेशन का उदाहरण है।

RASonly

• भारत की समूह-20 अध्यक्षता को ग्रामीण विकास और कृषि-खाद्य प्रणालियों से जोड़ा जा सकता है।

• एग्रीकोला पदक भारत की किसान-केंद्रित नीतिगत व्यवस्था की वैश्विक मान्यता को दर्शाता है।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला खाद्य एवं कृषि संगठन का एग्रीकोला पदक कृषि, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसे कार्यक्रमों ने बड़े स्तर पर कल्याणकारी सेवाएं पहुंचाने की भारत की क्षमता को सिद्ध किया है। यह सम्मान टिकाऊ कृषि, किसान कल्याण और समावेशी खाद्य सुरक्षा शासन के वैश्विक आदर्श के रूप में भारत की छवि को मजबूत करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एग्रीकोला पदक से किस संगठन ने सम्मानित किया?

(a) विश्व व्यापार संगठन
(b) खाद्य एवं कृषि संगठन
(c) विश्व बैंक
(d) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

उत्तर: (b)

व्याख्या: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एग्रीकोला पदक संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान रोम, इटली स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन मुख्यालय में महानिदेशक क्यू डोंगयु द्वारा दिया गया। यह सम्मान भारत के कृषि परिवर्तन और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान के लिए प्रदान किया गया।

2. कोविड-19 महामारी के बाद प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत लगभग कितने लोगों को निरंतर खाद्य सुरक्षा सहायता मिली?

(a) 11 करोड़
(b) 21 करोड़
(c) 80 करोड़
(d) 168 करोड़

उत्तर: (c)

व्याख्या: समाचार के अनुसार कोविड-19 महामारी के बाद प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत लगभग 80 करोड़ लोगों को निरंतर सहायता प्रदान की गई। इस योजना को विश्व के सबसे बड़े खाद्य और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक के रूप में वैश्विक स्तर पर सराहा गया।

3. समाचार में वर्णित सम्मान के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) एग्रीकोला पदक भारत के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी योगदान के लिए प्रदान किया गया।
(b) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता दी गई।
(c) सम्मान समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

RASonly

(d) भारत की समूह-20 अध्यक्षता में कृषि-खाद्य प्रणालियों को वैश्विक कार्यसूची से बाहर रखा गया।

उत्तर: (b)

व्याख्या: प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता दी गई। समाचार में इस पहल को वित्तीय समावेशन और किसान कल्याण से जोड़ा गया है। एग्रीकोला पदक कृषि और खाद्य सुरक्षा से संबंधित था, समारोह रोम में आयोजित हुआ था और भारत ने समूह-20 कार्यसूची में कृषि-खाद्य प्रणालियों तथा ग्रामीण विकास को प्रमुखता से शामिल किया था।

RASonly

Rajasthan Strengthens Conservation Efforts for State Bird Great Indian Bustard

Minister of State for Forest and Environment, Sanjay Sharma visited the Great Indian Bustard Breeding Centre at the Sam area of the town of Jaisalmer. On the visit, he inspected the conservation and breeding programme being implemented at the centre. He also collected comprehensive details on the facilities available, the conservation activities and current conservation work for the Great Indian Bustard (Godawan). Under leadership of Chief Minister Bhajan Lal Sharma, the state government is always striving to save and promote the state bird of Rajasthan, the minister said.

The inspection found the following to be key highlights:

- Forest and Environment Minister Sanjay Sharma visited Godawan Breeding Centre in Jaisalmer's Sam.
- He checked facility and breeding arrangements of the centre.
- The minister discussed the current conservation efforts for the Great Indian Bustard.
- The State Government is dedicated to the conservation and promotion of Rajasthan's state bird.
- The breeding centres are contributing significantly to the work of the Godawan conservation.
- These efforts have led to an increase in the number of Godawan and their breeding capacity.
- The role of breeding centres in conservation is crucial.Breeding Centres play an important role in conservation.

Conservation and Breeding Support

- Forest Department's breeding centres are contributing to the conservation of Great Indian Bustard.
- These centres are contributing to the conservation and breeding of this rare bird.
- The Forestry Department has made a positive difference, with positive results visible.
- The population of Godawan is on a rise, the minister said.
- The breeding potential of the bird has also proved to be significantly enhanced.

- Keep the natural habitats of the planet safe.Ensure the natural habitat of the planet is preserved.
- The Minister instructed to improve the effectiveness of the conservation activities of Godawan.

Special care was given to the conservation of nature.

- Habitat conservation was called key to ensuring this rare bird is passed on to future generations.
- Natural habitats will be preserved, which will contribute to longer-term conservation.

Significance for RAS Exam

- Important for environment, biodiversity, wildlife conservation and current affairs for Rajasthan.
- The Great Indian Bustard is the State Bird of Rajasthan and hence is of importance for the Rajasthan Administrative Services Prelims Exam.
- The Godawan Breeding Centre at Sam, Jaisalmer is an example of species specific conservation.
- The importance of institutional supports in wildlife protection is seen in the role of breeding centres.
- The theme on natural habitat protection applies to the questions of biodiversity conservation.

Conclusion

The visit of the Godawan Breeding Centre at Sam is a testament to Rajasthan's effort towards conserving the state bird, the Great Indian Bustard. The Forest Department's breeding centres are helping to boost their population and breeding capacity. The State will work to ensure this scarce bird is available for future generations with its improved conservation efforts and natural habitat protection.

RASonly

MCQs

- Forest and Environment Minister, Sri Sanjay Sharma visited Godawan Breeding Centre located where?

(a) Udaipur

(b) Sam area of Jaisalmer

(c) Jaipur

(d) Banswara

Answer: (b)

Explanation : The forest and Environment Minister Sanjay Sharma visited Godawan Breeding Centre at Sam area in Jaisalmer. He checked the conservation facilities, breeding programmes and on-going conservation and propagation work for the Great Indian Bustard during the visit.

2. In news, which bird is known as the state bird of Rajasthan?

(a) Peacock

(b) Sarus Crane

(c) Great Indian Bustard

(d) Demoiselle Crane

Answer: (c)

Explanation : The Godawan or the Great Indian Bustard is the state bird of Rajasthan. The state government is actively engaged in its conservation and promotion by establishing breeding centers and conserving its habitats.

3. Which of the following directions was given by the minister to officials during the inspection?

(a) To shift the breeding centre from Jaisalmer to Jaipur
(b) To stop breeding-related conservation activities
(c) To focus only on tourism development near the centre
(d) To make conservation activities more effective and protect natural habitats

Answer: (d)

Explanation: The minister directed officials to make activities related to Godawan conservation more effective and to give special attention to the protection of natural habitats. This was considered necessary to protect the rare bird for future generations.

RASonly

जैसलमेर के सम क्षेत्र में गोडावण संरक्षण और प्रजनन केंद्र

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में संचालित संरक्षण और प्रजनन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, संरक्षण गतिविधियों और गोडावण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण, जिसे महान भारतीय तिलोर भी कहा जाता है, के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।

निरीक्षण की प्रमुख बातें

• वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र का निरीक्षण किया।

• उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और प्रजनन व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

• मंत्री ने गोडावण संरक्षण से जुड़ी वर्तमान गतिविधियों की जानकारी ली।

• राज्य सरकार राजस्थान के राज्य पक्षी के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

• प्रजनन केंद्र गोडावण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

• इन प्रयासों से गोडावण की संख्या और प्रजनन क्षमता में वृद्धि हो रही है।

संरक्षण में प्रजनन केंद्रों की भूमिका

संरक्षण और प्रजनन सहयोग

• वन विभाग द्वारा संचालित प्रजनन केंद्र गोडावण के संरक्षण में सहायता कर रहे हैं।

• ये केंद्र इस दुर्लभ पक्षी के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दे रहे हैं।

• वन विभाग के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं।

• मंत्री ने कहा कि गोडावण की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

• इस पक्षी की प्रजनन क्षमता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

प्राकृतिक आवासों का संरक्षण

• मंत्री ने अधिकारियों को गोडावण संरक्षण गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

• प्राकृतिक आवासों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

• इस दुर्लभ पक्षी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने के लिए आवास संरक्षण को आवश्यक बताया गया।

• प्राकृतिक आवासों का संरक्षण दीर्घकालिक संरक्षण प्रयासों को मजबूत करेगा।

RASonly

आरएएस परीक्षा के लिए महत्व

• यह समाचार पर्यावरण, जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण और राजस्थान समसामयिकी के लिए महत्वपूर्ण है।

• गोडावण राजस्थान का राज्य पक्षी है, इसलिए यह राजस्थान प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

• जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र को प्रजाति-विशेष संरक्षण के उदाहरण के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

• प्रजनन केंद्रों की भूमिका वन्यजीव संरक्षण में संस्थागत सहयोग के महत्व को दर्शाती है।

• प्राकृतिक आवास संरक्षण का विषय जैव विविधता संरक्षण से जुड़े प्रश्नों के लिए उपयोगी है।

निष्कर्ष

जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र का निरीक्षण राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वन विभाग के प्रजनन केंद्र गोडावण की संख्या और प्रजनन क्षमता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। अधिक प्रभावी संरक्षण गतिविधियों और प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के माध्यम से राज्य इस दुर्लभ पक्षी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने किस स्थान पर स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र का निरीक्षण किया?

(a) उदयपुर
(b) जैसलमेर का सम क्षेत्र
(c) जयपुर
(d) बांसवाड़ा

उत्तर: (b)

व्याख्या: वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने जैसलमेर के सम क्षेत्र स्थित गोडावण प्रजनन केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की संरक्षण सुविधाओं, प्रजनन व्यवस्थाओं और गोडावण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा की।

2. समाचार में किस पक्षी को राजस्थान का राज्य पक्षी बताया गया है?

(a) मोर
(b) सारस
(c) गोडावण
(d) कुरजां

उत्तर: (c)

RASonly

व्याख्या: समाचार में गोडावण, जिसे महान भारतीय तिलोर भी कहा जाता है, को राजस्थान का राज्य पक्षी बताया गया है। राज्य सरकार इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रजनन केंद्रों तथा प्राकृतिक आवास संरक्षण के माध्यम से कार्य कर रही है।

3. निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को कौन-सा निर्देश दिया?

(a) प्रजनन केंद्र को जैसलमेर से जयपुर स्थानांतरित करने का
(b) प्रजनन से जुड़ी संरक्षण गतिविधियों को रोकने का
(c) केंद्र के आसपास केवल पर्यटन विकास पर ध्यान देने का
(d) संरक्षण गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने और प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने का

उत्तर: (d)

व्याख्या: मंत्री ने अधिकारियों को गोडावण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा प्राकृतिक आवासों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। यह निर्देश इस दुर्लभ पक्षी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

Mati Kala Centre of Excellence at Bichoon, Jaipur and Support Measures for Pottery Artisans

The community is also currently undergoing a push for traditional pottery and artisan livelihoods.The community is also currently pushing for traditional pottery and artisans' livelihoods.

Chairman of the Mati Kala Board Shriyade Mati Kala Board Chairman Prahlad Rai Tak said, "Chief Minister Bhajanlal Sharma had declared, so Mati Kala got a new identity in Rajasthan. It will be established in Bichoon Industrial Area, Jaipur as a Mati Kala Centre of Excellence. The centre will offer training to the pottery artisans and update them with modern techniques. It is expected to create new employment opportunities for traditional artisans by offering them skill development, better production processes and technical assistance. The Board will also conduct camps to create artisan cards for all the Mati Kala artists and artisans in the state.

The Initiative will also highlight key features, including the following:

- A Mati Kala Centre of Excellence will be set up in Bichoon Industrial Area, Jaipur.
- The centre will offer training to the artisans Mati Kala on new skills.
- The project seeks to provide the pottery workers with new job opportunities.
- Artisan cards will be created for all the Mati Kala artists and workers in Rajasthan.
- The Shriyade Mati Kala Board will organise camps for making artisan cards.
- Over the past 2 years the Board has been allocated more budget than the previous 10.
- Chief Minister has announced a panorama of Shriyade Mata, the deity of Prajapat-Kumhar community.
- Effective skills and technology development and support.Efficient skill development and technology support.

Distribution of Machines

- The State Budget announcement of 2026-27 specifies 5,000 electric pottery wheels and clay-kneading machines will be given.
- These machines will be used to boost production and quality.
- The project will help to strengthen the livelihoods of the traditional pottery artisans by minimizing their manual labour and enhancing the efficiency through the use of machines.

Training of Artisans

The Board has targeted to train 100 Mati Kala trainers this year.

- Special training will be provided at different places outside Rajasthan.
- A total of 25 people were trained in Khurja, Uttar Pradesh last year.
- Through training, artisans will be introduced to better techniques and upgrading of traditional skills.

RASonly

- Mati Kala Board has made the following achievements and has a plan to continue in the future.

Recognition and Promotion

- The Chief Minister has released the book ‘Mati Rajasthan Ri'.
- Information on the major works and schemes of the Board in the past 2 years is included in the book.
- The Board has been honoring 45 exceptional artists of various Mati Kala with ‘Mati Ke Lal’ award.
- Udyog Bhawan will be creating a ‘One District-One Product’ wall and Mati Kala products will be displayed there.
- The artisans have been granted various welfare facilities
- The Board will approach the Government of Rajasthan for scholarship and scooter scheme to the children of Mati Kala artisans.
- The adherence to the 2016 guidelines will be guaranteed for workers who apply Aava-Kajava method, following consultation with 8 major departments.
- MSME policy will be followed to organise Mati Kala fairs and exhibitions to spread awareness about the benefits of earthen utensils.

The significance of these characteristics for the RAS exam is high.

- This news is significant for the art and culture, traditional crafts, the MSME sector, and skill development of Rajasthan.
- Mati Kala Centre of Excellence is one of the examples for the conservation of traditional livelihood using modern technology.

Artisan cards are formal recognition and welfare targeting cards for the craft workers.

- The distribution of electric pottery wheels and clay-kneading machines illustrates the use of technology in improving the traditional jobs.
- The programme also makes a link between culture, employment, entrepreneurship and local economic development.

Conclusion

The project for Mati Kala Centre of Excellence at Bichoon portrays Rajasthan's attempt to merge the traditional craft with the modern technology and skill development. The pottery workers' livelihood base will be strengthened through training, artisans' cards, machine distribution, awards, exhibitions and welfare proposals. The project will result in Mati Kala being more integrated and help create jobs, lasting cultural protection and empowerment of artisans.

MCQs

1. Where in Rajasthan will the Mati Kala Centre of Excellence be set up?

RASonly

(a) Little India

(b) Bichoon Industrial Area, Jaipur

(c) Udyog Bhawan, Jaipur

(d) Sam area, Jaisalmer

Answer: (b)

Explanation: The Mati Kala Centre of Excellence will be set up in the Bichoon Industrial Area of Jaipur. The centre will train Mati Kala artisans and acquaint them with new techniques, giving them access to new employment avenues and enhancing their livelihood based on traditional crafts.

2. According to the State Budget announcement for 2026-27, how many electric pottery wheels and clay-kneading machines will be distributed?

(a) 500

(b) 1,000

(c) 5,000

(d) 10,000

Answer: (c)

Explanation : The State Budget announcement provides for 5,000 electric pottery wheels and clay-kneading machines to be distributed according to the following explanation. This will be expected to promote production, enhance the quality of pottery and benefit pottery artisans by introducing modern technology in traditional Mati Kala work.

3. Which of the following is correct about the effort of Shriyade Mati Kala Board?

(a) Artisans cards will only be prepared by the Board for trainers.

(b) 45 of the great artists have been awarded ‘Mati Ke Lal’ by the Board.

(c) The Centre of Excellence will be set up in Khurja, Uttar Pradesh.

(d) Board has discontinued the training in other than Rajasthan.

Answer: (b)

Explanation : The Shriyade Mati Kala Board have awarded 45 excellence in various forms of Mati Kala with ‘Mati Ke Lal’ award. The Board will create artist cards for all Mati Kala artists/artisans and the Centre of Excellence will be set up in Bichoon, Jaipur and special training will be conducted at various locations outside of Rajasthan.

RASonly

जयपुर के बिचून में बनेगा माटी कला कलाकारों के लिए उत्कृष्टता केंद्र

श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणाओं से राजस्थान में माटी कला को नई पहचान मिली है। जयपुर के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में माटी कला उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र माटी कलाकारों को प्रशिक्षण देगा और उन्हें आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराएगा। इससे पारंपरिक कलाकारों के लिए कौशल विकास, बेहतर उत्पादन प्रक्रिया और तकनीकी सहयोग के माध्यम से नए रोजगार के अवसर खुलेंगे। बोर्ड राज्य के सभी माटी कलाकारों और कामगारों के कारीगर परिचय पत्र बनाने के लिए शिविर भी आयोजित करेगा।

पहल की प्रमुख बातें

• जयपुर के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में माटी कला उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा।

• यह केंद्र माटी कलाकारों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देगा।

• इस पहल का उद्देश्य माटी कला कामगारों के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करना है।

• राजस्थान के सभी माटी कलाकारों और कामगारों के कारीगर परिचय पत्र बनाए जाएंगे।

• श्रीयादे माटी कला बोर्ड कारीगर परिचय पत्र बनाने के लिए शिविर लगाएगा।

• बोर्ड को पिछले 2 वर्षों में पिछले 10 वर्षों से भी अधिक बजट मिला है।

• मुख्यमंत्री ने प्रजापत-कुम्हार समाज की आराध्या और कुलदेवी श्रीयादे माता का पैनोरमा बनाए जाने की घोषणा की है।

कौशल विकास और तकनीकी सहयोग

मशीनों का वितरण

• राज्य बजट घोषणा 2026-27 के अंतर्गत 5,000 विद्युत चालित चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण किया जाएगा।

• इन मशीनों से उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

• यह पहल पारंपरिक माटी कला कामगारों का श्रम कम करेगी और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाएगी।

कलाकारों का प्रशिक्षण

• बोर्ड ने इस वर्ष 100 माटी कला प्रशिक्षक तैयार करने का लक्ष्य रखा है।

• राजस्थान से बाहर विभिन्न स्थानों पर विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

• पिछले वर्ष 25 लोगों को उत्तर प्रदेश के खुर्जा में प्रशिक्षण दिलाया गया था।

• प्रशिक्षण से कलाकार बेहतर तकनीक सीख सकेंगे और अपने पारंपरिक कौशल को उन्नत कर सकेंगे।

RASonly

माटी कला बोर्ड की उपलब्धियां और भविष्य की कार्ययोजना

सम्मान और प्रोत्साहन

• मुख्यमंत्री द्वारा 'माटी राजस्थान री' पुस्तक का विमोचन किया गया है।

• इस पुस्तक में बोर्ड द्वारा पिछले 2 वर्षों में किए गए प्रमुख कार्यों और योजनाओं की जानकारी है।

• बोर्ड ने प्रदेश की विभिन्न माटी कला विधाओं के 45 उत्कृष्ट कलाकारों को 'माटी के लाल' पुरस्कार से सम्मानित किया है।

• उद्योग भवन में बनने वाली 'एक जिला-एक उत्पाद' दीवार में माटी कला उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

कलाकारों के लिए कल्याणकारी उपाय

• बोर्ड माटी कलाकारों के बच्चों को छात्रवृत्ति और स्कूटी योजना का लाभ दिलाने के लिए राजस्थान सरकार को प्रस्ताव भेजेगा।

• आवा-कजावा पद्धति से काम करने वाले माटी कला कामगारों के लिए 8 प्रमुख विभागों से विचार-विमर्श के बाद वर्ष 2016 में बनी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जाएगी।

• मिट्टी के बर्तनों के लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नीति के माध्यम से माटी कला मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए महत्व

• यह समाचार राजस्थान की कला एवं संस्कृति, पारंपरिक हस्तकला, सूक्ष्म-लघु-मध्यम उद्यम क्षेत्र और कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

• माटी कला उत्कृष्टता केंद्र पारंपरिक आजीविका को आधुनिक तकनीक से जोड़कर संरक्षण का उदाहरण है।

• कारीगर परिचय पत्र शिल्पकारों को औपचारिक पहचान और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का माध्यम हैं।

• विद्युत चालित चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण पारंपरिक व्यवसायों में तकनीक की भूमिका को दर्शाता है।

• यह पहल संस्कृति, रोजगार, उद्यमिता और स्थानीय आर्थिक विकास को आपस में जोड़ती है।

निष्कर्ष

बिचून में प्रस्तावित माटी कला उत्कृष्टता केंद्र राजस्थान में पारंपरिक शिल्प को आधुनिक तकनीक और कौशल विकास से जोड़ने का प्रयास है। प्रशिक्षण, कारीगर परिचय पत्र, मशीन वितरण, पुरस्कार, प्रदर्शनियां और कल्याणकारी प्रस्ताव माटी कला कामगारों की आजीविका को मजबूत करेंगे। यह पहल माटी कला को नई पहचान देते हुए रोजगार, सांस्कृतिक संरक्षण और कारीगर सशक्तीकरण को बढ़ावा देगी।

RASonly

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान में माटी कला उत्कृष्टता केंद्र कहां स्थापित किया जाएगा?

(a) खुर्जा औद्योगिक क्षेत्र
(b) बिचून औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर
(c) उद्योग भवन, जयपुर
(d) सम क्षेत्र, जैसलमेर

उत्तर: (b)

व्याख्या: माटी कला उत्कृष्टता केंद्र जयपुर के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र माटी कलाकारों को प्रशिक्षण देगा और उन्हें आधुनिक तकनीक से परिचित कराएगा, जिससे उन्हें नए रोजगार अवसर मिलेंगे और पारंपरिक शिल्प आधारित आजीविका मजबूत होगी।

2. राज्य बजट घोषणा 2026-27 के अंतर्गत कितने विद्युत चालित चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण किया जाएगा?

(a) 500
(b) 1,000
(c) 5,000
(d) 10,000

उत्तर: (c)

व्याख्या: राज्य बजट घोषणा 2026-27 के अंतर्गत 5,000 विद्युत चालित चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण किया जाएगा। इससे उत्पादन बढ़ेगा, गुणवत्ता में सुधार होगा और पारंपरिक माटी कला कार्य में आधुनिक तकनीक के उपयोग से कारीगरों को लाभ मिलेगा।

3. श्रीयादे माटी कला बोर्ड की पहलों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) बोर्ड केवल प्रशिक्षकों के लिए कारीगर परिचय पत्र बनाएगा।
(b) बोर्ड ने 45 उत्कृष्ट कलाकारों को 'माटी के लाल' पुरस्कार से सम्मानित किया है।
(c) उत्कृष्टता केंद्र उत्तर प्रदेश के खुर्जा में स्थापित किया जाएगा।
(d) बोर्ड ने राजस्थान से बाहर प्रशिक्षण बंद कर दिया है।

उत्तर: (b)

व्याख्या: श्रीयादे माटी कला बोर्ड ने माटी कला की विभिन्न विधाओं के 45 उत्कृष्ट कलाकारों को 'माटी के लाल' पुरस्कार से सम्मानित किया है। बोर्ड सभी माटी कलाकारों और कामगारों के कारीगर परिचय पत्र बनाएगा, उत्कृष्टता केंद्र जयपुर के बिचून में स्थापित होगा और राजस्थान से बाहर विभिन्न स्थानों पर विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

RASonly

RASonly